



## झारखंड स्कूल इनोवेशन चैलेंज-2023

### चर्चा में क्यों?

- 9 सितंबर, 2023 को झारखंड के धनबाद आईआईटी आईएसएम द्वारा आयोजित झारखंड स्कूल इनोवेशन चैलेंज-2023 के ग्रैंड फिनले का रजिल्ट जारी कर दिया गया है, जिसमें पूर्वी सहिभूम का लोयला स्कूल स्टेट चैंपियन बना।

### प्रमुख बटु

- वदिति है कपर्यावरणवर्दियों के लयि कचरे में फेंकी जाने वाली प्लास्टिक की बोटल हमेशा चतिा का वषिय बनी रही है। वे हमेशा इसके उचति प्रबंधन के तरीके तलाशते रहते हैं। इसी दशिा में पूर्वी सहिभूम के लोयोला स्कूल की टीम ने इस समस्यया का रचनात्मक समाधान दयिया है।
- पूर्वी सहिभूम के लोयला स्कूल के छात्र सागर कुमार व संकल्प कुमार ने यूज (परयुक्त) व बेकार प्लास्टिक को उपयोगी पदार्थ में बदलने की तकनीक वकिसति की है।
- लोयोला स्कूल, जमशेदपुर के छात्रों की टीम ने कचरा में फेंक दी जाने वाली प्लास्टिक की बोटल से काम की चीजें तैयार करने वाला थ्री डी प्रटिर तैयार कयिया है। यह थ्री डी प्रटिर पहले मशीन की मदद से प्लास्टिक की बोटलों को काट कर महीन फाइबर में बदल देता है, फरि इस फाइबर को मोल्ड कर थ्री डी प्रटिर से उपयोगी सामान बना देता है। यह प्रोजेक्ट कचरा प्रबंधन का रचनात्मक तरीका है।
- आईआईटी आईएसएम का नरेश वशषिट सेंटर फॉर इनोवेशन एंड टकिरगि (एनवीसीटीआई) इस उत्पाद की मार्केटगि में सहयोग करेगा।
- प्रतयिोगतिा में देवघर ज़िला के मधुपुर के महेंदर मुनिसिरस्वती वदिया मंदरि की टीम द्वर्तीय और जमशेदपुर के हलि टॉप स्कूल की टीम तृतीय स्थान पर रही।
- इनके साथ ही क्रमशः चौथे और पाँचवें स्थान पर रही डीबीएमएस इंग्लशिा स्कूल जमशेदपुर और एसडीएसएम स्कूल जमशेदपुर की टीम को सांतवना पुरस्कार दयिया गया।
- ग्रैंड फिनले में पूरे राज्य से 10 स्कूल की टीम पहुँची थी। पुरस्कृत पाँच बेस्ट आइडयिया में चार जमशेदपुर के स्कूलों की टीम हैं।
- मुख्य अतथिवि झारखंड टेकनकिल यूनविरसिटी के कुलपति प्रो. (डॉ.) डीके सहि ने वजिता टीम को को 50 हज़ार रुपए नकद पुरस्कार और ट्रॉफी देकर सम्मानति कयिया।
- महेंदर मुनिसिरस्वती वदिया मंदरि की टीम (अमन कुमार, अंशु कुमार व रोशन कुमार) ने मलिकर फायर फाइटर ड्रोन वकिसति कयिया है। यह ड्रोन खुद से पास के जल स्रोत से पानी उठा कर आग पर इसका छड़िकाव करने में समक्ष है।
- अमन कुमार ने बताया क उनहें इसे वकिसति करने का वचियार देवघर के एक स्कूल में चार-पाँच महीने पहले लगी आग की वजह से आया। तीनों ने मलिकर करीब दो महीने पहले इस प्रोजेक्ट पर काम करना शुरू कयिया था। इस ड्रोन को वकिसति करने की पूरी लागत 14 हज़ार रुपए है। इसमें 2200 एमएच बैटरी का उपयोग कयिया गया है। यह ड्रोन को बजिली आपूर्ति करती है।
- हलि टॉप पब्लिक स्कूल, जमशेदपुर की टीम (आरुष कुमार, दर्शलि त्रपिाठी और सदिधार्थ सहि) ने कसिानों के लयि मददगार खेत रक्षक ऐप तैयार कयिया है। यह ऐप समय रहते बताएगा क खेतों में लगी फसलों पर टडिडों का कब हमला होने वाला है। इससे कसिान समय रहते खेतों में कीटनाशकों का इस्तेमाल कर टडिडों का हमला रोक सकते हैं।
- साथ ही, यह ऐप फसलों में होने वाली बीमारयियों की पहचान में सकक्षम है। इसके बाद कसिान अपनी फसलों की सुरक्षा के उपाय कर सकते हैं। यह ऐप कसिानों के व्हाट्सअप के साथ एसएमएस के जरयि हर पाँच मनिट में खेतों की अद्यतन स्थतिकी जानकारी देगा।